भजन

तर्ज–सदा खुश रहे तू

रूहों को सुख अर्श बका के,यहां कौन देवे पिया बिन तुम्हारे

1–छूट गई जो अर्श की खिलवत,भूल गई जो आपकी निसबत
जो रात दिन सोहबत मे गुजारे

2–रगं मोहोल की बारीक गलियां,श्याम श्यामा जी से भई रंगरलिया
थे इश्क भीने मोहोल में तुम्हारे

3–आप हमारे बुजरक साहेब, आपके सुख भी आपके माफक
लेते शीतल सुगन्ध बयारें

4–रूहें बिलखती तड़पती पुकारें, देखो नजर भर के प्राण प्यारे
नूरी नजर में जो इश्क बहारें